

शिक्षक - रवि शंकर राय

विषय - अध्यात्म

दिनांक - 24-07-2020

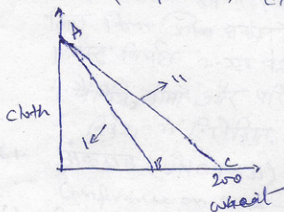
वर्ग - B.A-I

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
objective

क्र.सं.	विषय	प्रश्न	उत्तर
1	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ क्या है?	दो अथवा दो से अधिक देशों के बीच व्यापार को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।	
2	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार क्या हैं?	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को निर्यात और आयात के रूप में बांटा जा सकता है।	

प्रधान धरेल साधन का प्रेशा 40% है और आपति आगता का 60% है। नगद कर के बाद कपा जाने का मशीन की प्रति इकाई कीमत 11000 है = 10000 + 1000 है देगी। इस स्थिति में कर की प्रभावी दर है $\rightarrow 25\%$ ।

52. दिए गए रेखाचित्र में वक्र I और वक्र II क्रमशः देश A तथा B के उत्पादन संभावक वक्रों को निरूपित करते हैं, रेखाचित्र में देश A दो वस्तुओं में से संबंधित है। जब वस्तु का व्यापार खुल जाता है तो प्रत्येक देश को रिपोर्टेड मॉडल के अनुसार विशिष्ट लाभ प्राप्त करता है। किसी एक समय व्यापार की शर्तों देश A की धरेल विविधता अनुपात पर तब होगी। इस स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से लाभ होगी \rightarrow पूरी तरह देश A को।



53. मुद्रा अवमूल्यन से परिणामस्वरूप एक देश की व्यापार स्थिति में सुधार होगा (जहाँ $S_x =$ निर्यात प्रति की लागत, $S_m =$ आयात प्रति की लागत, $D_x =$ निर्यात मांग लागत, $D_m =$ आयात मांग की लागत) यदि \rightarrow

$$D_x D_m > S_x S_m$$

54. ~~किस~~ अनुक्रम — कठिन लाभ \rightarrow रिफाइन होनिमल समझौता \rightarrow मरकजरी होवना।

55. प्रशुलक और सेवा के प्रभावों के बीच यह तुल्यता, जो आयात-की लागत-भाजा को सीमित करती है। इस मान्यता पर आधारित है कि

- \rightarrow 1. विदेश में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति में निर्यात है।
2. काराव्यापार के मध्य स्वी-प्रतिभोगिता है।
3. धरेल आयात प्रतिभोगिता उद्योग में स्वतंत्र प्रतिभोगिता है।

56. विदेशी आप्रवाहक निर्यात में संश्लेषित है \rightarrow

1. सर्वप्रथम-निर्णय रसीदें और विदेशी केंसी परिवर्तनीय बांड
2. अग्रवाही बाध्यता लागू।

1. टॉजिंग — वस्तु विनिमय स्थिति
 2. प्रेषण — दूरस्थान व्यापार शर्त की स्थिति
 3. मार्शल — अव्यक्ति वस्तु
- 58.
1. विनिमय शुल्क — मजरा पर आधारित शुल्क ।
 2. आत्मनिर्भरता — व्यापार की अनुपस्थिति ।
 3. कोय — \rightarrow और शुल्क विकृति ।
59. संतुलन $\frac{1}{2}$ बिन्दु पर विनिमय दर $\frac{1}{2}$ हैं जो बनाए रखी हैं \rightarrow देश के विदेशी विनिमय रिजर्व में किता किसी शुद्ध परिवर्तन के एक प्रती अर्थ में भुगतान शेष में संतुलन ।
60. निम्न में से कौन सी मद्रों को भुगतान शेष का एक खतरा में सम्मिलित किया जा सकता है \rightarrow
1. वस्तु निर्यात
 2. गृह देश में विदेशी पर्यटकों का व्यय
 4. बैंकिंग, बीमा और परिवहन सेवाएं
 5. विदेश में निवेशित पूंजी से गुप्त धार ।
61. अंकटाड (UNCTAD) का पूरा नाम है \rightarrow United Nations Conference on Trade And development
62. रिकार्डो का तुलनात्मक लागत सिद्धांत $\frac{1}{2}$ पर आधारित है ।
2. मूल्य का अन्वय स्थिति धारण व्यापार में अन्वय शीघ्र होता है
63. अव्यूलक तथ्यतः विनिमय दर में परिवर्तन करता है ।
2. पुनर्मूल्यन अव्यूलक का अर्थ है ।
64. 1. सीमा शुल्क मूल्य पर से वस्तु मूल्यों को प्रभावित करते हैं ।
2. मात्रात्मक प्रतिबन्ध, एक देश से बनाए गए हैं कि वे आमतौर पर निर्यात के परिणाम को नियंत्रित करती हैं ।
15. ऐसे संसार में जहाँ केवल दो वस्तुएँ X और Y तथा कारकों का पूरा सापेक्ष है, वस्तु X, की क्रिया में वृद्धि का परिणाम होता है \rightarrow X के उत्पादन में सघनत्व से प्रयुक्त कारक के वास्तविक प्रत्यक्ष में वृद्धि ।
16. निम्न में से WTO का कार्य-क्षेत्र क्या है —
1. व्यापार समझौते के लिए मंच प्रदान करना ।

WTO फार को लागू करना

3. सदस्यों के परस्पर विवादों का निपटारा करना।

4. अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों के निर्माण में IMF और IBRD के साथ सह-
न्यय करना।

67. विश्व उद्योग लक्ष्य का महा समर्थन वृद्धा किया जाता है → संरक्षण
के संबंध में।

68. प्रभुत्व का संपादन (Revenue) पर कोई प्रभाव नहीं होगा यदि लगाना
जमा अलग है → निषेधात्मक।

69. निम्न अवस्था में ही विश्व स्तर में उन दो देशों के बीच व्यापार की
सम्भावना होगी जिनकी कारक विशेषतां समान होती हैं। →
जब दोनों देशों में उपभोक्ता की रुचियाँ और उत्पादन में अंतर
होते हैं।

70. पारने का लक्ष्य होता है कि किसी बाहरी देश में → निम्न कीमत
वाली वस्तुओं की बाढ़ ला दे।

71. यदि आर्थिक बड़ एक सीपी रेखा हो तो → शुल्क की अनुपस्थिति
व्यापार की स्थिति को सुधार सकती है।

72. मुद्रा का अधिमूल्यन तब बांधनीय नहीं होता, जब → कोई
देश अपने निर्यात को बढ़ाना और आयात को घटाना चाहे।

73. निम्न में से कौन एक मुद्रा की पूर्ण लेखा-परिवर्तनीयता को इंगित करता है →
वित्तीय परिसम्पत्तियों से बाहरी देशों के साथ बैरोंकरोंक
लेन देन की स्वतंत्रता।

74. 1. अवमूल्यन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संतुलन का असंतुलन दूर किया जा-
सकता है।

2. अवमूल्यन द्वारा आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं
और अवमूल्यन करने वाले देश द्वारा निर्यात वस्तुओं की
कीमतें घट जाती हैं।

75. एक अनुमूल्यन प्रभुत्व → व्यापार की शर्तों को सुधार करता
है।

76. अवमूल्यन का परिणाम होता है →

1. आयात की दरों कीमतों में वृद्धि।

2. निर्यात की कीमतों में कमी।

77. एक्सचेंज-रेटिंग के व्यापार के सिद्धान्तों को खेप देने के निम्न दो
देशों की लक्ष्य प्राप्त करने के लिए → भया संबंध दर-दर।